शपथ से पहले गांधी, अटल और शहीदों को पीएम मोदी का नमन

शपथ लेने से पहले मोदी ने राजघाट में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को नमन किया और पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी को स्मृति के फूल चढ़ाए।

वार मेमोरियल : शहीदों को सलामी देते पीएम मोदी।

संदेश

पीएम मोदी ने वार मेमोरियल में वीर शहीदों को सलामी देने के बाद उनकी स्मृति में विजिटर बुक में लिखते।

आडवाणी से मिलीं शेख हसीना

पीएम नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण के लिए भारत पहुंचीं बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना समारोह से पहले रविवार को वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी के घर पहुंचकर उनसे मुलाकात की। इस दौरान आडवाणी की बेटी भी साथ रहीं। एजेंसी

न्यूज डायरी

राहुल और प्रियंका कल अमेठी में धन्यवाद जनसभा लेंगे

अमेठी (उप्र)।ए। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी व कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा मंगलवार को अमेठी में धन्यबाद जनसभा को संबोधित करेंगे। कांग्रेस के एक पदाधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। कांग्रेस के ज.लिाध्यक्ष प्रदीप सिंघल ने बताया कि अमेठी एवं रायबरेली में कांग्रेस की ऐतिहासिक जीत पर अमेठी संसदीय क्षेत्र के तिलोई विधानसभा अंतर्गत ब्लॉक बहादुर पुर के ग्राम सभा रामपुर जमालपुर के हिमाचल का पुरवा में 11 जून को दोपहर तीन बजे राहुल गांधी रायबरेली एवं अमेठी संसदीय क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं की धन्यवाद जनसभा को संबोधित करेंगे।

लोकसभा को दस साल बाद मिलेगा नेता प्रतिपक्ष

नई दिल्ली। एजेंसी। मौजूदा लोकसभा चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों की सीटों की संख्या बढ़ने के साथ ही निचले सदन को 10 साल बाद विपक्ष का नेता (एलओपी) मिलेगा और विपक्षी नेताओं को यह भी उम्मीद है कि जल्द ही उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव होगा। लोकसभा में पिछले पांच साल से उपाध्यक्ष का पद रिक्त है। पांच जून को भंग हुई 17वीं लोकसभा को अपने पूरे कार्यकाल के लिए कोई उपाध्यक्ष नहीं मिला तथा यह निचले सदन का लगातार दूसरा कार्यकाल था, जिसमें कोई नेता प्रतिपक्ष नहीं था। सभी की निगाहें निचले सदन पर टिकी हैं, जहां विपक्ष का नेता चुना जाएगा और साथ ही एक उपाध्यक्ष पद चुने जाने की भी उम्मीद है। उपाध्यक्ष का पद आमतौर पर विपक्षी खेमे को मिलता है।

'अधर में जो है अटकी हुई, वो तो कोई सरकार नहीं' : अखिलेश

लखनऊ। ए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के रविवार को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह की जोरदार तैयारियों के बीच समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने उसे 'अधर में लटकी हुई सरकार' करार देते हुए तंज किया है। यादव ने केंद्र में सत्तारूढ़ होने जा रही राजग सरकार पर तंज करते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक टिप्पणी में कहा, ऊपर से जुड़ा कोई तार नहीं, नीचे कोई आधार नहीं। अधर में जो है अटकी हुई वो तो कोई 'सरकार' नहीं।

इंदौर में आतिशबाजी के दौरान भाजपा कार्यालय में लगी आग

इंदौर (मध्यप्रदेश)।ए। प्रधानमंत्री के तौर पर नरेन्द्र मोदी के लगातार तीसरी बार शपथ लेने के जश्न में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं की आतिशबाजी के दौरान इंदौर में चार मंजिला पार्टी कार्यालय की छत में रविवार रात आग लग गई। घटना के चश्मदीदों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शहर के जावरा कम्पाउंड क्षेत्र में भाजपा के मुख्य कार्यालय की छत में पार्टी कार्यकर्ताओं की आतिशबाजी के दौरान आग लगी।

जीत मिलने पर विनम्र और जिम्मेदाराना व्यवहार रहे: अभिषेक बनर्जी

कोलकाता।ए। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने रविवार को कहा कि किसी भी तरह की जीत मिलने पर विनम्र और जिम्मेदाराना व्यवहार करना चाहिए। बनर्जी ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर एक संदेश में कहा कि टीएमसी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को राज्य के लोगों द्वारा पार्टी पर जताए गए विश्वास का सम्मान करने का प्रयास करना चाहिए।

सीआईएसएफ कांस्टेबल के समर्थन में किसानों ने मार्च निकाला

चंडीगढ़।ए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नवनिर्वाचित सांसद कंगना रनौत को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की एक महिला कांस्टेबल द्वारा कथित तौर पर थप्पड़ मारे जाने की घटना के संबंध में तीन सदस्ईय विशेष जांच दल का गठन किया गया है। इस बीच मोहाली में संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा सहित कई किसान संगठनों ने सीआईएसएफ की कांस्टेबल कुलविंदर कौर के समर्थन में मार्च निकाला।

नयी राजग सरकार में कर्नाटक को पांच मंत्री मिले

बेंगलुरु। ए। जद(एस) नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी, भाजपा नेता निर्मला सीतारमण और प्रह्लाद जोशी सहित कर्नाटक के पांच सांसदों ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली नयी राजग मंत्रिपरिषद में शपथ ली।

ओडिशा में अब 12 जून को शपथ ग्रहण करेगी पहली भाजपा सरकार

पहले आज ही होना था समारोह, विधायक दल की बैठक कल

भुवनेश्वर। ओडिशा में नवनिर्वाचित भाजपा सरकार अब 12 जून को शपथ ग्रहण करेगी। शपथ ग्रहण समारोह 10 जून को होना था। पार्टी नेता जतिन मोहंती और विजयपाल सिंह तोमर ने इसकी पुष्टि की।

मोहंती ने रविवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यस्तता के कारण शपथ ग्रहण समारोह में बदलाव किया गया है। साथ ही विधायक दल की बैठक भी अब 11 जून को होगी। चुनाव प्रचार के दौरान पीएम मोदी ने कहा था कि ओडिशा की पहली भाजपा सरकार राज्य में 10 जून को शपथ लेगी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल ने भी शनिवार को इसकी पुष्टि की थी। हालांकि पार्टी सूत्रों ने बताया कि शपथ ग्रहण की तारीख बदलने का फैसला रविवार को लिया गया। भाजपा ने 147 सदस्यीय विधानसभा में 78 सीट जीतकर बहुमत हासिल किया है। पार्टी ने मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किए बिना मोदी के नेतृत्व में चुनाव लड़ा था। भुवनेश्वर के जनता मैदान में शपथग्रहण समारोह के आयोजन की तैयारियां चल रही हैं।

ओडिशा में मुख्यमंत्री भले ही तय नहीं हुआ है लेकिन सरकार के शपथ ग्रहण की तैयारी जोरों पर है। एजेंसी

मुख्यमंत्री के नाम को लेकर रहस्य बरकरार

इस बीच, नए मुख्यमंत्री को लेकर अब भी रहस्य बना हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा के वरिष्ठ नेता और नवनिर्वाचित विधायक सुरेश पुजारी नई दिल्ली में हैं। इससे अटकलें लगाई जा रही हैं कि वह सीएम पद के प्रमुख दावेदारों में से एक हो सकते हैं। पुजारी 2019 के चुनाव में बरगढ़ से लोकसभा के लिए चुने गए थे। उन्होंने हाल ही में ब्रजराजनगर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीता।

मुख्यमंत्री की रेस में ये भी नाम... *ओडिशा में मुख्यमंत्री पद के लिए सुरेश पुजारी के अलावा मनमोहन सामल, प्रताप चंद्र सारंगी, बैजयंत पांडा, गिरीश चंद्र मुर्मू, संबित पात्रा, जयनारायण मिश्रा और अपराजिता सारंगी का भी नाम चल रहा है। दौड़ में सबसे आगे धर्मेंद्र प्रधान का नाम चल रहा था लेकिन उनके मोदी सरकार में मंत्री बनने के बाद सीएम बनने की संभावना काफी कम हो गई है।*

सीएम तय करने पर्यवेक्षक बनाए गए राजनाथ और भूपेंद्र

भाजपा ने ओडिशा में पार्टी के विधायक दल के नेता के चुनाव की निगरानी के लिए राजनाथ सिंह और भूपेंद्र यादव को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। भाजपा विधायक दल का नेता ही राज्य के अगले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेगा। सोमवार को विधायकों की बैठक होने की संभावना है।

हार के कारण बढ़ते दबाव से पांडियन का राजनीति को अलविदा

नई दिल्ली। ओडिशा के निवर्तमान मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के करीबी सहयोगी और वरिष्ठ बीजद नेता वीके पांडियन ने क्षेत्रीय पार्टी की लोकसभा और विधानसभा चुनावों में हार के मद्देनजर सक्रिय राजनीति से हटने की घोषणा की। पांडियन ने कहा कि राजनीति में आने का उनका एकमात्र उद्देश्य पटनायक की सहायता करना था और इसीलिए उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा। अब जब पार्टी चुनाव हार गई है तो मैं इसकी जिम्मेदारी लेते हुए राजनीति को अलविदा कह रहा हूं। नौकरशाह से राजनेता बने पांडियन ने एक वीडियो संदेश में कहा, अब मैं खुद को सक्रिय राजनीति से दूर करने का फैसला करता हूं। अगर मैंने इस यात्रा में किसी को ठेस पहुंचाई है तो मुझे खेद है। मुझे खेद है कि मेरे खिलाफ अभियान की वजह से बीजू जनता दल की हार हुई है। इसके लिए मैं पूरे बीजू परिवार और सभी कार्यकर्ताओं से माफी मांगता हूं। उन्होंने कहा, मैं ओडिशा को हमेशा अपने हृदय में और अपने गुरु नवीन बाबू को अपनी सांसों में रखूंगा।

- **सियासी आरोपों का वक्त पर जवाब नहीं दे सका...** पांडियन ने कहा कि वह कुछ पॉलिटिकल नैरेटिव का वक्त पर जवाब देने में असफल रहे। उन्होंने कहा कि उनके ऊपर विरोधी दलों द्वारा लगाये गये आरोप अगर इस चुनाव में पार्टी की हार की सबसे बड़ी वजह है तो वह इसके लिए माफी चाहते हैं।

सिक्किम : तमांग आज दूसरी बार लेंगे सीएम पद की शपथ

गंगटोक। सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा के प्रमुख प्रेम सिंह तमांग सोमवार को दूसरी बार सिक्किम के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। उनके साथ 12 कैबिनेट मंत्री भी शपथ ग्रहण करेंगे। समारोह शाम चार बजे से शुरू होगा और कार्यक्रम करीब डेढ़ घंटे चलेगा।

12 कैबिनेट मंत्री भी शामिल

समारोह में प्रधानमंत्री, गृहमंत्री समेत कई केंद्रीय मंत्रियों, पड़ोसी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और पूरे राज्य के लोगों को आमंत्रित किया गया है। इसमें करीब 30 गणमान्य हस्तियों के पहुंचने की संभावना है। इसी वर्ष अप्रैल में हुए सिक्किम विधानसभा चुनाव के नतीजे 2 जून को आए थे। प्रेम सिंह तमांग के नेतृत्व में एसकेएम पार्टी ने 32 में से 31 सीटों पर प्रचंड जीत हासिल की है। एसकेएम केंद्र में एनडीए का हिस्सा है। राज्य के मुख्य सचिव वीबी पाठक ने रविवार को बताया कि पलजोर स्टेडियम में सुरक्षा समेत शपथ ग्रहण समारोह की पूरी तैयारी कर ली गई है। ब्यूरो

मोदी ने नेहरू की बराबरी की आगे कम नहीं होंगी चुनौतियां

बहुत कम ही लोगों ने सोचा होगा कि भाजपा का कोई नेता यह उपलब्धि हासिल कर सकेगा

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता नरेन्द्र मोदी ने रविवार को लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेकर इतिहास रच दिया। इसके साथ ही वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले पहले गैर-कांग्रेसी नेता और जवाहरलाल नेहरू के बाद दूसरे ऐसे नेता बन गए हैं। बहुत कम ही लोगों ने सोचा होगा कि भाजपा का कोई नेता यह उपलब्धि हासिल कर सकेगा। इस बार हरियाणा और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों में श्री मोदी की फिर से एक परीक्षा होगी।

गठबंधन की राजनीति का सामना करेंगे मोदी

भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने 293 सीटें जीती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे किसी भी चुनाव-पूर्व गठबंधन की सबसे बड़ी सफलता करार दिया है। चुनावों से मिली चुनौतियों के बावजूद, आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति 73 वर्षीय मोदी के ईद-गिर्द ही घूमने वाली है। हालांकि, इस दौरान उन्हें गठबंधन की राजनीति के विभिन्न पहलुओं का सामना करना पड़ेगा।

लोकसभा चुनाव में दोनों ही राज्यों में भाजपा को झटका लगा है। दोनों राज्यों में अक्टूबर के आसपास चुनाव होने की संभावना है। मोदी को तीसरे कार्यकाल में जनादेश पूर्व के दो कार्यकालों की तरह नहीं मिला है।

कैबिनेट मंत्री का पद न मिलने से नाराज है अजित पवार गुट

नवभारत नेशनल ब्यूरो, नई दिल्ली। मोदी सरकार में कैबिनेट मंत्री पद न मिलने से अजित पवार की अगुआई वाली एनसीपी की ओर से नाराजगी व्यक्त की गई है। महाराष्ट्र में अजित की पार्टी को भाजपा ने चार सीटें दी थीं, लेकिन वह सिर्फ एक सीट जीत सकी। अब भाजपा उन्हें एक राज्य मंत्री पद ऑफर दिया, तो उन्होंने उसे लेने से इनकार कर दिया है।

एनसीपी नेता व राज्यसभा सदस्य प्रफुल्ल पटेल का कहना है कि वे स्वयं भारत सरकार में कैबिनेट मंत्री पहले रह चुके हैं। ऐसे में वह राज्य मंत्री का पद लेते हैं तो उनका डिमोशन होगा। भाजपा नेतृत्व ने इस मामले पर विचार करने को कहा है। वे उनके फैसले का इंतजार कर रहे हैं। उधर भाजपा नेता व महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का कहना है कि अजित पवार की अगुआई वाली एनसीपी राज्य में सिर्फ एक सीट जीत पाई है।

भाजपा अध्यक्ष पद के लिए अनुराग ठाकुर के नाम की चर्चा

लगातार पांचवीं बार चुनाव जीतकर सांसद बने ठाकुर मोदी कैबिनेट में नहीं

नवभारत नेशनल ब्यूरो, नई दिल्ली।

भाजपा के अधिकांश दिग्गजों को मंत्री बन जाने के बाद अब पार्टी अध्यक्ष पद को लेकर अटकलें शुरू हो गई हैं। चर्चा है कि पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर को भाजपा की कमान मिल सकती है। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर लोकसभा से लगातार पांचवीं बार चुनाव जीतकर सांसद बने ठाकुर का नाम मोदी कैबिनेट में नहीं है। वे प्रधानमंत्री मोदी के पसंदीदा मंत्रियों में से एक रहे हैं। यही कारण है कि अनुराग 10 वर्ष तक लगातार उनके मंत्रिमंडल का हिस्सा रहे। सूत्रों का कहना है कि भाजपा अब संगठन की कमान नए नेतृत्व के हाथों में सौंपना चाहती है।

अनुराग को सरकार और संगठन दोनों में काम करने का व्यापक अनुभव है। वर्ष 2010 में उन्हें भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया था और 2016 तक वह इस पद पर बने रहे। कहा जाता है कि इस दौरान उन्होंने पूरे देश में युवाओं को भाजपा से जोड़ा और संगठन को मजबूत किया था। उनके काम से प्रभावित होकर प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें अपनी कैबिनेट में जगह दी थी। सरकार में जब उन्हें मौका मिला तो उन्होंने भाजयुमो से जुड़े लोगों को भी पार्टी और सरकार में जगह दिलाने के लिए खूब काम किया।

प्रधानमंत्री व गृह मंत्री के बेहद करीबी

राजनीतिक गलियारे में इस बात की भी व्यापक चर्चा है कि ठाकुर प्रधानमंत्री व गृह मंत्री अमित शाह के बेहद करीबी हैं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को भी इनके नाम को लेकर कोई आपत्ति नहीं है। संघ का भी जोर रहा है कि नए लोगों को संगठन और सरकार में मौका दिया जाए, ताकि वे सीखकर भविष्य के लिए तैयार हो सकें। ऐसे में अनुराग इस दायित्व के लिए फिट बैठ रहे हैं।

केरल विस का आज से सत्र, हंगामेदार रहने की उम्मीद

तिरुवनंतपुरम। ए। केरल विधानसभा के सोमवार से शुरू होने वाले 28 दिवसीय सत्र के हंगामेदार रहने की उम्मीद है। विपक्षी कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) राज्य की वामपंथी सरकार पर हाल में शराब नीति विवाद से लेकर लोकसभा चुनाव में उसकी जबरदस्त हार तक कई मुद्दों को लेकर निशाना साध सकता है। लोकसभा चुनाव के नतीजों की घोषणा के बाद पहली बार सदन की बैठक हो रही है। इस चुनाव में यूडीएफ ने 18 सीट पर जीत दर्ज की जबकि सत्तारूढ़ वाम लोकतात्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को एक-एक सीट मिली है।

नई सरकार में शून्य हुआ मुसलमानों का प्रतिनिधित्व

दो साल से सरकार में नहीं, चार उम्मीदवारों में सभी हारे

नई दिल्ली। देश में 20 करोड़ की आबादी। कुल आबादी में करीब 14 फीसदी की हिस्सेदारी। बावजूद इसके मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में यह बिरादरी मंत्रिमंडल में उपस्थिति दर्ज नहीं करा सकी। आजादी के बाद यह पहली सरकार है जिसके मंत्रिमंडल में मुसलमानों का प्रतिनिधित्व शून्य है। हालांकि शून्य प्रतिनिधित्व का सिलसिला जुलाई 2022 से जारी है, जब सरकार के इकलौते मुस्लिम मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी राज्यसभा का टिकट नहीं मिलने के कारण उच्च सदन में नहीं पहुंच सके थे। गौरतलब है कि मोदी सरकार में मुस्लिम प्रतिनिधित्व का सिलसिला तीन से शुरू हो कर अब शून्य पर अटक गया है। पहले कार्यकाल में मोदी मंत्रिमंडल में नजमा हेपतुल्ला, एमजे अकबर और नकवी के रूप में तीन मुसलमानों का प्रतिनिधित्व था। हालांकि इसी कार्यकाल में मी टू अभियान के निशाने पर आए अकबर को मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना पड़ा तो हेपतुल्ला के राज्यपाल बनने के बाद नकवी के रूप में मुसलमानों का इकलौता प्रतिनिधित्व रह गया था। दूसरे कार्यकाल में भी नकवी ही मंत्रिमंडल में मुसलमानों के इकलौते प्रतिनिधि थे। हालांकि जुलाई 2022 में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री रहते नकवी का राज्यसभा का कार्यकाल खत्म हो गया। दोबारा टिकट नहीं मिलने के कारण उन्हें मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा और इसके साथ ही मोदी मंत्रिमंडल में मुसलमानों का प्रतिनिधित्व शून्य हो गया।

इस बार नई परेशानी

इस बार के आमचुनाव में भाजपा ही नहीं उसके सहयोगी दलों का भी एक भी मुस्लिम उम्मीदवार चुनाव नहीं जीत पाया। राजग ने इस बिरादरी के चार उम्मीदवारों भाजपा, एनसीपी 1-1 और जदयू ने दो को मौका दिया था। इनमें सभी चुनाव हार गए। मुश्किल यह है कि भाजपा के 14 सहयोगियों में से एक के भी पास राज्यसभा में भी इस बिरादरी का सांसद नहीं है। उच्च सदन में भाजपा के इकलौते सदस्य गुलाम अली हैं, हालांकि पार्टी ने उन्हें मंत्रिमंडल में जगह नहीं दी थी।

लोकसभा में भी घटा प्रतिनिधित्व

सीमित संख्या में चुनाव लड़ने का अवसर मिलने से वर्तमान लोकसभा में भी मुसलमानों का प्रतिनिधित्व घट गया। एनडीए ने ही नहीं विपक्षी इंडी गठबंधन ने भी इस बिरादरी को मौका देने में कंजूसी बरती। इसके कारण बीते साल 27 के मुकाबले इस बार महज 23 मुसलमान उम्मीदवार ही चुनाव जीत पाए।

रवनीत बिट्टू: भाजपा ने बनाया 'बड़ा आदमी'

चुनाव हारने पर भी मिली कैबिनेट में जगह

चंडीगढ़।ए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता अमित शाह ने पिछले महीने एक चुनावी रैली में लुधियाना के लोगों से रवनीत सिंह बिट्टू को संसद भेजने का आग्रह किया था और वादा किया था कि वह उन्हें एक 'बड़ा आदमी' बनाएंगे। हालांकि वह लुधियाना संसदीय सीट से हार गए, लेकिन नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली तीसरी सरकार में बिट्टू राज्य मंत्री बन गए हैं। बिट्टू दिवंगत स्वर्णजीत सिंह के बेटे हैं, जो पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पांच बच्चों में से एक थे। बिट्टू को मोदी मंत्रिमंडल में मंत्री बनाने का भाजपा का कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पार्टी पंजाब में अपनी पैठ बढ़ाना चाहती है।

बिट्टू (48) लुधियाना लोकसभा सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार एवं प्रदेश इकाई के प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वडिंग से 20,942 मतों के अंतर से हार गए। इस साल मार्च में उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया था, जिससे कांग्रेस के कई नेता हैरान रह गए थे। पार्टी में शामिल होने के समय बिट्टू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की तारीफ करते हुए कहा था कि उन्हें पंजाब से बहुत लगाव है और वे राज्य के लिए बहुत कुछ करना चाहते हैं। भाजपा ने उन्हें लुधियाना लोकसभा सीट से मैदान में उतारा। चुनाव प्रचार के दौरान बिट्टू ने शाह को अपना दोस्त बताया था, जिसके जवाब में शाह ने बिट्टू को बड़ा आदमी बनाने का वादा किया था। शाह ने लुधियाना रैली में कहा था, इसे (बिट्टू को) लुधियाना से दिल्ली की संसद में भेजिए, इसको बड़ा आदमी बनाने का काम मैं करूंगा। खालिस्तान समर्थक नेताओं के खिलाफ अपने कड़े विचारों के लिए जाने जाने वाले बिट्टू ने अपने दादा की हत्या के मामले में दोषी बलवंत सिंह राजोआना की रिहाई की मांग का भी विरोध किया था।

जना स्माल फाइनेंस बैंक
(एक अधिसूचित वाणिज्यिक बैंक)

पंजीकृत कार्यालय: द फेयरवे, भूतल व प्रथम तल, सर्वे क्र. 10/1, 11/2 व 12/2B, ऑफ डोमलूर, कोरा मंगला इनर रिंग रोड, EGL बिजनेस पार्क के आगे, चल्लाघट्टा, बैंगलोर - 560071
ब्रांच ऑफिस: मलय हाइट्स, प्रथम तल IDBI बैंक के ऊपर, RBI के सामने, महादेव घाट रोड, सुंदर नगर, रायपुर (छ.ग.) 492001

ई-नीलामी सूचना

वित्तीय संपत्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन एवं सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम (SARFAESI ACT) 2002, सहपठित सुरक्षा हित प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 8(6) व 9 के प्रावधानों के तहत ई-नीलामी के द्वारा बिक्री के लिये आम सूचना

अधोहस्ताक्षरी ने **जना स्माल फाइनेंस बैंक लिमिटेड** के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में SAREAESI ACT की धारा 13 (4) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित संपत्ति को अपने कब्जे में लिया है। विशेष रूप से कर्जदार को तथा सामान्य रूप से आम लोगों के सूचित किया जाता है कि बैंक के देयकों (बकाया राशि) के चुकताकरण के लिए, नीचे उल्लेखित एकाउंट में गिरवी रखी गई संपत्ति की **आन लाइन नीलामी (ई-नीलामी), "जहां है जैसा है"** तथा **"जो है, जैसा है"** के आधार पर, यहां नीचे निर्धारित अनुसार तिथि को होगी।

अनु क्र.	लोन एकाउंट नंबर	मूल कर्जदार/सह कर्जदार गारंटर का नाम	13-2 नोटिस की तिथि	कब्जे की तिथि	मौजूदा बकाया राशि इस तिथि को	संपत्ति के निरीक्षण की तिथि व समय	रिजर्व प्राइस INR में	प्रतिभूमि राशि जमा (EMD) INR में	ई-नीलामी की तिथि एवं समय	बिड जमा करने की अंतिम तिथि, समय व स्थान
1.	45099420005198	1. मि. सुमित कुमार बघेल पिता- राजकुमार बघेल 2. श्रीमती हरा बाई बघेल पति राजकुमार बघेल	27.10.2023	15.02.2024	रू. 2247439.82 (रूपये बाईस लाख सैतालिस हजार चार सौ उनतालिस एवं बियासी पैसे मात्र) 03.06.2024 की तिथि को	12.06.2024 09.00 am से 05.30 pm तक	रू.15,00,000/- (रूपये पन्द्रह लाख मात्र)	रू.1,50,000/- (रूपये एक लाख पचास हजार मात्र)	12.07.2024 @11.00 am से 02.00pm तक	11.07.2024, शाम 05.00 बजे के पूर्व जना स्माल फाइनेंस बैंक लिमिटेड, मलय हाइट्स, प्रथम तल IDBI बैंक के उपर, RBI के सामने, महादेव घाट रोड, सुंदर नगर रायपुर (छ.ग.) 492001.
	संपत्ति विवरण/ अनुसूची : प्लाट नं. 10 वाली डायवर्टेड भूमि का सभी हिस्सा तथा पार्सल, एरिया का कुल माप-2000 वर्गफीट (185.806 वर्ग मीटर्स) खसरा नं. 1325/3 में से मौजा सेंदरी P.H. नं. 46, शीट नं. 36 R.N.M. कोनी, तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.)। सीमाएं: पूर्व- निस्तारी रोड, पश्चिम: लवकुश साहू की भूमि, उत्तर: विक्रेता की शेष भूमि तथा दक्षिण: विक्रेता की शेष भूमि.									

संपत्तियां **"जहां है, जैसा है"** व **"जो है, जैसा है"** के आधार पर तथा ई-नीलामी ऑनलाइन होगी. ऊपर उल्लेखित संपत्ति की खरीदी के संबंध में समस्त भुगतान **जना स्माल फाइनेंस बैंक** के पक्ष में करना है। नीलामी बैंक के अनुमोदित सेवा प्रदानकर्ता मे. 4 क्लोजर वेब पोर्टल https://bankauctions.in व www.foreclosureindia.com के माध्यम से होगी। और अधिक जानकारी के लिये तथा विस्तृत विवरण, मदद, प्रक्रिया तथा ई-नीलामी पर आन लाइन प्रशिक्षण के लिये भावी बिडर्स मे. 4 क्लोजर, संपर्क- मि. अरिजित कुमार दास, संपर्क नंबर 8142000725 से संपर्क कर सकते है. ई-मेल आईडी : info@ bankauctions.in/arijit@bankauctions.in ई-नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए नियमों तथा शर्तों पर आगे की जानकारी के लिए तथा संपत्ति से संबंधित कोई भी पूछताछ के लिए कृपया **जना स्माल फाइनेंस बैंक ऑफिसर्स मि. महेन्द्र ब्राम्हणे (मोबा. नं. 9029290202) व मि. अजय नायक (मोबा. नं. 9960948687)** से संपर्क करें। प्राधिकृत अधिकारी के बेहतर जानकारी और ज्ञान के अनुसार संपत्तियों पर कोई भी अधिभार नहीं है, तथापि इच्छुक बिडर्स को अपने बोड जमा करने के पूर्व, रखी गई संपत्ति के अधिकार, टाइटिल के संबंध में स्वयं स्वतंत्र जांच कर लेनी चाहिये। सशर्त बिड स्वीकार्य नहीं किये जाएंगे. यह गिरवी रखी गयी संपत्तियों के लिए अधिसूचित ई-नीलामी के बारे में, उपरोक्त नामित कर्जदारों / गारंटर्स/ गिरवीकर्ताओं के लिए भी सूचना है. कर्जदार/गारंटर/गिरवीकर्ता को एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि वे नीलामी की तिथि से पहले ऊपर उल्लेखित राशि का, तिथि तक ब्याज तथा सहायक खर्चे सहित भुगतान कर देवें. अन्यथा संपत्ति की बिक्री कर दिये जाएंगे तथा देयकों (dues) को यदि कोई हो, ब्याज तथा कास्ट सहित वसूल किया जाएगा.

तिथि: 10.06.2024, स्थान: बिलासपुर — **हस्ताक्षरित/- प्राधिकृत अधिकारी जना स्माल फाइनेंस बैंक लिमिटेड**